993971

SAEHI203

II Semester B.Com. Degree Examination, June/July - 2026
HINDI
Kavya Sinchana
(SEP Scheme)

Time : 3 Hours | Maximum Marks : 80

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्यांश में लिखिए। (10×1=10)

1) श्रीकृष्ण की तुलना कवि ने किससे की है ?
2) मीराबाई ने किस ऋतु का वर्णन किया है ?
3) घनानंद के पद में गोपी किस पीडा से व्याकुल है ?
4) भारत के वीर शत्रुओं को किसके समान समझते थे ?
5) पाँडवों ने दुर्योधन से क्या माँगा ?
6) मकड़ी का जाल किसका प्रतीक है ?
7) रोटी बेलने की क्रिया को कवयित्री किसके साथ जोडती है ?
8) छाया मत छूना कविता में मृगतृष्णा किसका प्रतीक है ?
9) अरे तुम हो काल के भी काल कविता के कवि कौन हैं ?
10) कवि ने बसंत को मानव जीवन केलिए क्या उपहार बताया है ?

II. किन्ही दो का सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2×7=14)

1) मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई
जाके सर मोर मुकुट मेरो पति सोई।
तात मात भ्रात बंधु आपनो न कोई ।।
छाँडि दई कुल की कानि कहा करिहै कोई ।
संतन ढिंग बैठि – बैठि लोकलाज खोई ।।

2) सारा शहर चुप है
धुल चुके हैं सारे चौकों के बर्तन ।
बुझ चुकी है आखिरी चूल्हे की राख भी,
और मैं

[P.T.O.

अपने ही वजूद की आँच के आगे
औचक हड़बड़ी में
खुद को ही सानती,
खुद को ही गूँधती हुई बार – बार
खुश हूँ कि रोटी बेलती हूँ जैसे पृथ्वी ।

3) कौन कहता है तुम को खा सकेगा काल ?
अरे ती तुम हो काल के भी काल अति विकराल काल का तब धनुष, दिक् ा है धनुष की डोर धनु – विकंपन से सिहरती सृजन – नाश – हिलोर । तुम प्रबल दिक् – काल – धनु – ा सुधन्वा वीर, तुम चलाते हो सदा चिर चेतना के तीर ।

III. किन्ही दो कविताओं का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश ा लेए। (2×15=30)
1) कृष्ण की चेतावनी
2) छाया मत छूना मन
3) बसंत

IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए। (1×6=6)
1) वंदेमातरम
2) अकेली आवाज़

V. किसी एक पर पत्र लिखिए। (1×10=10)
1) आप कपड़े के व्यापारी हैं । अरबिंद मिल्स लि. अहमदाबाद को पत्र लिखक उनके नवीनतम कपड़ों के भावों के संबंध में पूछताछ कीजिए ।
2) सर्वश्री दीपमाला टैक्सटाइल्स, आप के पुराने ग्राहक हैं । दो वर्ष से उन्होंने व ई आदेश आपको इधर नहीं भेजा है । उनसे आदेश माँगते हुए एक पत्र लिखिए ।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए : (1×10=10)
वर्तमान युग में जिस भीषणता के साथ जीवन – संघर्ष चल रहा है, उस में वह व्यक्ति कभी भी विजयी नहीं हो सकता, जो चुपचाप बैठकर अति दीर्घकाल तक सोचता – विचारता रहेगा । यहाँ तो वही टिक सकता है, जिस में काफी स्फूर्ति है, जो दूसरों को ढकेलकर आगे बढ़ सकता है । नहीं तो जो उस से ताकतवर है उसे किनारे ढकेल देगा और आगे बढ़ जाएगा । अगर तुम इस जीवन में कुछ करना चाहते हो, अगर तुम्हें अपना जीवन सफल बनाना है, तो तुम्हें हाज़िरजवाब होना चाहिए, अपने निर्णय पर दृढ़ रहना चाहिए और उस पर जमकर काम करना चाहिए । जिस व्यक्ति में ये गुण पाये जाते हैं । उस में अन्य गुणों का समावेश भी रहता है ।